उमराह मार्गदर्शक

1. एहराम - मीक़ात पहुँचने से पहले

एहराम से पहले: अनचाहे बालों को हटा दें, नाखून काट लें, बना लें
गुस्ल (स्नान) और वुधु (स्नान) या कम से कम वुधु।
एहराम के कपड़े पहनें - पुरुषों के लिए बिना सिले हुए सफेद कपड़े के 2 टुकड़े और महिलाओं के लिए नियमित कपड़े। महिलाओं को एहराम के दौरान अपना चेहरा नहीं ढंकना चाहिए और पुरुषों को एहराम के दौरान अपने सिर को नहीं ढंकना चाहिए।
एहराम की अवस्था में प्रवेश करने पर
नियाह (इरादा) किसी भी भाषा में एहराम में प्रवेश करने या पढ़ने के लिए -

لَبَّيْكَ اللَّهُمَّ بِعُمْرَة

लब्बैक अल्लाहुम्मा बे-`उमराह
यहाँ मैं हूँ, हे अल्लाह, (तेरी पुकार के जवाब में) उमरा कर रहा हूँ। मस्जिद अल-हरम (काबा) में जाकर पुरुष जोर-जोर से तल्बिया पढ़ें (महिलाएं चुपचाप)
तल्बियाह सस्वर पाठ (हज प्रार्थना प्रार्थना):

لَبَّيْكَ اللَّهُم لَبَّيْكَ، لَبَّيْكَ لا شريك لك لبيك،
إِنَّ الْحَمْدَ والنِّعْمَةَ لَكَ وَالْمُلْكُ لا شَرِيكَ لَكَ

लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक, लब्बैक ला शारिका लाका लब्बैक, इननल हम्दा वन्नीमाता लका वालमुल्क ला शारिका लक

उमराह (तवाफुल-कुदूम)🕋

मक्का में मस्जिद अल-हरम (पवित्र मस्जिद) में प्रवेश:
दाहिने पैर से प्रवेश करें और पढ़ें:

اللَّهُمَّ افْتَحْ لِي أَبْوَابَ رَحْمَتِكَ

अल्लाहुम्मा आफतह ली अबवाबा रहमतिका
ऐ अल्लाह, मेरे लिए अपनी रहमत के दरवाज़े खोल दे।
♦तवाफ की नीयत करो।

2. तवाफ़ (काबा का 7-चक्कर लगाना)

♦ पुरूषों को पहले 3-चक्करों में ही तेज (रामल) चलना चाहिए, बाकी 4-चक्कर 7वें चक्कर तक पूरी तरह से सामान्य गति से चलते हैं। तवाफ़ के दौरान कोई विशेष दुआ (दुआ) आवश्यक नहीं है।[3]

♦ तवाफ के दौरान दुआ (दुआ) की जा सकती है, सिवाय इसके कि अर- रुक्नुल-यमनी (येमेनी कॉर्नर) के बीच जाते समय निम्नलिखित का पाठ करना सुन्नत है

رَبَّنَا آتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الآخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ

रब्बाना आतीना फिद-दुनिया हसनतन व फील आखिरीति हसनतन व किनाह 'आधाबन नार

हमारे प्रभु!
हमें इस दुनिया में जो अच्छा है और आख़िरत में वह दे जो अच्छा है और हमें आग के अज़ाब से बचा।
♦ एक बार तवाफ पूरा हो जाने पर, अपने दाहिने कंधे को ढकें और इब्राहीम के स्टेशन के पीछे कहीं भी 2 रकअत पेश करें - या हरम में कहीं भी: सूरत अल-काफिरुन को पहली रकअत में और सूरत अल-इखलास को दूसरी रकअत में पढ़ें।
♦ ज़मज़म का पानी पियो - दुआ करो

3. सई (सफा और मरवाह के 7-चक्कर पूरे करना):
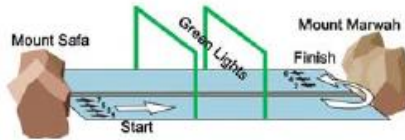
सफ़ा पर सई शुरू करो। अस-सफ़ा से अल-मरवाह (एक चक्कर), फिर अल-मरवाह से अस-सफ़ा (दूसरा दौर) तक पूरा चलना और अल-मरवाह पर खत्म होते हुए सात चक्कर लगाना जारी रखें। हरी बत्तियों का सामना करने पर, केवल पुरुष - एक बत्ती से दूसरी बत्ती की ओर भागते हैं।
अस-सफ़ा के पाँव में पढ़िए -

ان الصفا وَالْمَرْوَةَ مِنْ شَعَائِرِ اللَّهِ فَمَنْ حج البيت أو اعتمر فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِ أَنْ يَطَّوَّفَ بِهِمَا وَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا فَإِنَّ اللَّهَ شَاكِرٌ عَلِيمٌ

इन्नास-सफा वल मरवता मिन शा'आ'इरिल्लाही फैमन हज्जल बैता 'अवि'तमारा फला जुनाहा' अलैही अन यत्तावफा बिहिमा व मन ततव्वा'ए खिरान फ'इन अल्लाह शाकिरुन' अलीमुन
हर बार जब आप एक चक्कर पूरा करें (सफा और मरवाह) पढ़ें -

اللَّهُ أَكْبَر، الله أكبر، الله أكبر لا إِلَهَ إِلَّا اللهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمدُ يُحْيِي وَيُمِيتُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِير لا إله إلا اللهُ وَحْدَهُ لا شَرِيكَ له، أَنْجَزَ وَعْدَهُ ونَصَرَ عَبْدَهُ وَهَزَمَ الأَحْزَابَ وَحْدَه

अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर अल्लाहु अकबर - ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदौ ला शारीकालह - लहुल मुल्कु व लाहुल हम्दू - युहयी व युमीतु व हुवा 'अला कुल्ली शाई'इन कदीर - ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदाहू ला शारीकालः - अंजाजा व'दाहू व नसरा 'अब्दाहू व हजामल अहजाबा वहदाहू

4. सिर मुंडाना/ कोटि-छांट ✂
सई पूरी करने के बाद: पुरुष: पूरे सिर को शेव करना बेहतर है या पूरे सिर से समान रूप से बाल कटवाना; महिलाएं: एक तिहाई अंगुल लंबाई के बाल काटें। अल-मस्जिद उल-हराम को बाएं पैर से छोड़ने पर, पढ़ें-

اللَّهُمَّ إِنِّي أَسْأَلُكَ مِنْ فَضْلِكَ

अल्लाहुम्मा इन्नी अस अलुका मिन फदलिका
याह अल्लाह, मुहम्मद पर प्रार्थना और शांति भेजें। याह अल्लाह, वास्तव में मैं तुमसे तुम्हारी कृपा माँगता हूँ।

एहराम को हटा दें, क्योंकि अब सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। उमरा है
अब पूरा

फ़ुट नोट्स

1 अगर मुमकिन हो तो अल-हजरुल-अस्वद (काला पत्थर) के कोने और दरवाज़े के बीच की जगह को पकड़ लें।

2 यदि संभव हो, तो काले पत्थर को दाहिने हाथ से स्पर्श करें और उसे चूमें; यदि नहीं, तो बस दाहिने हाथ से उसकी ओर एक चिन्ह बनाएं।
3 काबा के चारों ओर घूमने के दौरान कोई विशिष्ट दुआ नहीं है, सिवाय इसके कि येमेनी कॉर्नर से द ब्लैक स्टोन के बीच क्या उल्लेख किया गया है। इसलिए आप अपनी इच्छानुसार कुरान या कोई भी दुआ पढ़ सकते हैं।
4 यदि संभव हो तो हर बार Ar-Ruknul-Yamani (येमेनी कॉर्नर) को स्पर्श करें
- यह सबसे अच्छा है; यदि नहीं, तो उसकी ओर कोई संकेत न करें।

मदीना का दौरा - मस्जिद-अल-नबावी - मस्जिद क्यूबा

मदीना का दौरा करना हज या उमराह के लिए एक अनिवार्य कार्य नहीं है, लेकिन अल मस्जिद-अल-नबावी (पैगंबर की मस्जिद) का दौरा करने में बहुत महत्व है।

पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने कहा है:

"मेरी इस मस्जिद (मदीना) में एक नमाज़ मस्जिद अल-हरम (मक्का) को छोड़कर कहीं और पढ़ी जाने वाली 1,000 नमाज़ों से बेहतर है, और मस्जिद अल-हरम में एक नमाज़ किसी भी अन्य मस्जिद में 100,000 नमाज़ों से बेहतर है।"

उन्होंने (SAW) यह भी कहा: "जो कोई भी घर पर स्नान करता है और फिर मस्जिद कुबा (इस्लाम में निर्मित पहली मस्जिद) में जाता है और नमाज़ पढ़ता है, उसे उमराह जैसा इनाम मिलेगा।"